श्री गुलशन : मंत्री महोदय ने अभी बतलाया कि देश में टायर के उत्पादन में बढ़ोतरी हुई है और जितनी हमारी जरूरत है वह पूरी होती है । क्या मैं जान सकता हूं कि क्या सरकार का ध्यान इस ओर गया है कि टायर की कीमत बाजार में 1 हजार रु० है । फिर भी वह नहीं मिलता है । जब उसकी कीमत इतनी बढ़ी है और उस का उत्पादन भी बढ़ा है तब उस को नार्मल रेट पर क्यों नहीं रक्खा गया । क्या सरकार के ध्यान में यह बात है कि इस की इतनी कमी है ।

अध्यक्ष महोदय : दो दफ़े इस सवाल को किय जा चुका है और जवाब आ चुका है।

Export of Coconut

\+

***422. Shri Yashpal Singh:**
Shri Liladhar Kotoki:
Shri R. Barua:

Will the Minister of **Commerce** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that large scale consumption of green caconut in different parts of the country is "suicidal" for India as it declines export earnings to a great extent; and

(b) if so, whether Government propose to ban the cutting of green coconut like many other countries, such as Brazil?

The Minister of Commerce (Shri Manubhai Shah): (a) Yes, Sir.

(b) We have no information. for Brazil and other countries. For the present, Government have no intention to ban such cutting, though it is true that it is an undesirable practice.

श्री यशपाल सिंह : आप ने जो अवांछनीय की बात कही है तो शायद ब्राजिल जैसे मुल्कों में न हो लेकिन हमारे यहां कोई मंगल मुहूर्त बग़ैर नारियल के नहीं हो सकता । हर मंगल मुहूर्त पर नारियल पेश करना पड़ता है । तो हम किस बेसिस पर इस सेकूलर स्टेट में इस को अवांछनीय कह सकते हैं ।

श्री मनुभाई शाह : आप ने कहा कि बैन क्यों नहीं करते हैं । जो आप ने पूछा उसका जवाब मैं ने दिया कि हम गलत समझते हैं फिर भी बैन नहीं कर र हैं ।

श्री यशपाल सिंह : नारियल पक जाने के बाद भी निर्यात से हम को जितनी विदेशी मुद्रा मिल सकती है उस से हम कमी को पूरा कर सकते हैं ।

अध्यक्ष महोदय : यह तो आप का सजेशन है, आप इन्फार्मेशन क्या चाहते हैं ? मंत्री महोदय ने कहा कि उन का कोई इरादा बैन करने का नहीं है ।

श्री यशपाल सिंह : क्या मंत्री महोदय यह बतला सकेंगे कि हम ने पिछले साल कितना फ़ारेन एक्सचेन्ज लिया है ।

श्री मनुभाई शाह : हम ने खोया है । जब इस की कमी हो जाय तो न हम इम्पोर्ट के बगैर सेल्फ़ सफ़िशिएन्ट हो सकते हैं और न एक्सपोर्ट कर सकते हैं ।

श्रीमती रामदुलारी सिन्हा : क्या यह बात सही है कि बहुत सी बीमारियों में मरीजों के लिये ग्रीन कोकोनेट का पानी प्रेस्क्राइब किया जाता है । ऐसी हालत में ग्रीन कोकोनेट के काटने पर बैन लगाने के सम्बन्ध में जो लीगल कदम उठाये जायेंगे उन के परिणाम स्वरूप एक बड़ी मशीनरी क्रिएट करनी पड़ेगी, जिस पर बहुत एक्सपेन्डिचर होगा, लेकिन तब भी वह मशीनरी डोर टू डोर वाच करने में असमर्थ रहेगी ।

अध्यक्ष महोदय : उन्होंने सारी बात बतला दी है ।

Shri Warior: What is the quantity of coconut exported from India?

Shri Manubhai Shah: None. We are not exporting green coconuts barring a small number.